चीनियों द्वारा नेपालगंज में चमड़ा पकाने तथा कागज बनाने के कारखानों का स्थापित किया जाना

*३२५. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय सीमा के निकट नेपाल में नेपालगंज के पास चीनी लोग चमड़ा पकाने तथा कागज बनाने के कारखाने बनाने जा रहे हैं ; और

(ख) यदि हां, तो क्या इस सम्बन्ध में नेपाल सरकार ने भारत सरकार से कोई परामर्श किया था ?

†[SETTING UP OF LEATHER PROCESSING AND PAPER FACTORIES IN NEPALGANJ BY CHINESE

*325. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Chinese are going to set up leather processing and paper factories near Nepalganj in Nepal close to the Indian border; and

(b) if so, whether Government of Nepal had made any consultations with the Government of India in this connection?]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) ऐसी रिपोर्ट है कि नेपाल सरकार चीनियों की तकनीकी और आर्थिक सहायता से चमड़ा तयार करने के और कागज के कारखानों की स्थापना पर विचार कर रही है। जिन जगहों पर ये कारखाने स्थापित किये जायेंगे उन के संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं किया गया है।

(ख) जी, नहीं ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH): (a) The Government of Nepal are reported to have been considering the establishment of leather processing and paper factories with Chinese technical and financial help. The places where the proposed factories will be established have not yet been decided upon.

(b) No, Sir.]

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या सरकार को इस बात की भी सूचना है कि जिन जिन स्थानों पर कारखाने बनाने का विचार किया जा रहा है वह भारतीय सरहद के बिल्कुल निकट हैं यानी दस पन्द्रह मील के बीच में हैं।

श्री दिनेश सिंह : इस बारे में अभी कोई स्थान तय नहीं हुआ है । कई स्थानों के बारे में वे सोच रहे होंगे पर हमारे पास इसकी पूरी खबर अभी तक नहीं आई है।

नारली ग्राम की भूमि का पाकिस्तान को दिया जाना

*३२६. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अमृतसर जिले की पट्टी तहसील के नारली ग्राम की लगभग २३२ एकड़ भूमि को पाकिस्तान को दे देने के क्या कारण हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि उस भूमि पर खेती करने वाले सभी व्यक्ति भारतीय क्षेत्र के रहने वाले थे ;

(ग) क्या यह सच है कि उपरोक्त भूमि में से एक नहर गुजरती है; और

(घ) क्या यह सच है कि उपरोक्त क्षेत्र की सीमा में बहुत विस्तार हो गया है?

†[ ] English translation.

†[HANDING OVER OF LAND OF NARLI VILLAGE TO PAKISTAN

*326. SHRI V. M. CHORDIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are the reasons for handing over to Pakistan about 232 acres of land of Narli village in Patti Tehsil of Amritsar District;

(b) whether it is a fact that all the persons cultivating that land belonged to the Indian territory;

(c) whether it is a fact that a canal passes through the above-mentioned land; and

(d) whether it is a fact that the border of the above-mentioned area has extended considerably?]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) अमृतसर जिले की पटटी तहसील के नारली नामक गांव का कोई भी हिस्सा पाकिस्तान को नहीं दिया गया ।

(ख) से (घ) : प्रश्न नहीं उठता ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH): (a) No land of village Narli in Patti Tehsil of Amritsar District has been transferred to Pakistan.

(b) to (d) Does not arise.]

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या यह बात सही है कि इस क्षेत्र के पास जो नहर निकलती थी उसके हिस्से पर पहले भारतवर्ष का कब्जा था लेकिन जैसा कि अभी जवाब में बतलाया गया है कि वह हिस्सा नहीं था तो तहसील के आसपास का हिस्सा होगा ?

श्री दिनेश सिंह : जी हां । वहां पर थेह सरजा नरजा नाम का एक गांव दोआब नहर के नजदीक है जिसकी थोड़ी सी जमीन रेडक्लिफ एवार्ड के बाद पाकिस्तान को मिल गई ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या यह बात सही है कि जो जमीन दी गई है उस के हांकने वाले, जोतने वाले भारत के रहने वाले हैं? तो इसके बदले में उन्हें कोई जमीन दी गई है या नहीं ?

श्री दिनेश सिंह : जो इस तरह के लोग हैं और जिनकी जमीन पाकिस्तान के हिस्से में चली गई है उसके संबंध में पंजाब सरकार ने एक स्कीम बनाई है । अगर आप इजाजत देंगे तो मैं उसको सदन की मेज पर रख दूंगा ।

"किलोग्राम में खरीदिये" नामक विज्ञापन पर हुआ खर्च

*३२७. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया** : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री ८ मई, १९६२ को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या २५२ के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) "किलोग्राम में खरीदिये" नामक विज्ञापन पर अब तक कुल कितना रुपया खर्च हो चुका है ;

(ख) उपरोक्त विज्ञापन में निम्नलिखित गलत प्रकाशन का जिम्मेदार कौन है :—

"¹/₄ सेर की बजाय २०० ग्राम"
"१ किलोग्राम की कीमत १·७ रुपये होगी" ; और

(ग) गलत प्रकाशन के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई और वह कब की गई ?

†[EXPENDITURE INCURRED ON THE ADVERTISEMENT ENTITLED "KILOGRAM MEN KHARIDYE"

*327. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of INFORMATION AND

†[ ] English translation.